वैशाख पूर्णिमा व्रत कथा | **Vaishakh Purnima Vrat Katha**

एक बार, धनेश्वर नाम का एक धनी व्यक्ति था, लेकिन उसे संतान नहीं थी. इस वजह से वह बहुत दुखी रहता था. एक दिन, वह एक योगी से मिला, जिन्होंने उसे वैशाख पूर्णिमा का व्रत रखने का सुझाव दिया. धनेश्वर ने विधि-विधान से वैशाख पूर्णिमा का व्रत रखा और भगवान विष्णु और माता लक्ष्मी की पूजा की. कुछ समय बाद, उसकी पत्नी सुशीला गर्भवती हुई और उन्हें एक सुंदर पुत्र हुआ. यह व्रत पुत्र प्राप्ति के लिए बहुत फलदायी माना जाता है.

वहीं एक अन्य कथा के अनुसार, गौतम ऋषि ने अपनी पत्नी अहिल्या को श्राप दिया था, क्योंकि उन्हें इंद्र ने धोखा दिया था. अहिल्या को पत्थर में बदल दिया गया था. वैशाख पूर्णिमा के दिन, भगवान राम वनवास के दौरान गौतम ऋषि के आश्रम में पहुंचे. गौतम ऋषि ने भगवान राम का स्वागत किया और उन्हें भोजन परोसा. भोजन के बाद, भगवान राम ने अहिल्या को पत्थर से मुक्त होने का वरदान दिया. इस व्रत को करने से पापों से मुक्ति और मोक्ष प्राप्ति होती है.

www.janbhakti.in